ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-5* Issue-12* March-2021
Anthology : The Research

# वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शोध
# Research in Current Perspective

Paper Submission: 04/03/2021, Date of Acceptance: 24/03/2021, Date of Publication: 25/03/2021

**शेखर मैदमवार**
सहायक प्राध्यापक,
अर्थशास्त्र,
शासकीय महाविद्यालय,
घट्टिया, उज्जैन,
मध्य प्रदेश, भारत

**सारांश**

देश में शोध को बढ़ावा देने और इसमें समन्वय के लिए राष्ट्रीय शोध फाउंडेशन (एन.आर.एफ.) स्थापित किया गया। एन.आर.एफ. यह सुनिश्चित करेगा कि देश में शोध का सम्पूर्ण माहौल मजबूत हो जिसमें हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और मूलभूत विज्ञान से संबंध क्षेत्रों पर जोर दिया जा सके।

वर्तमान बजट 2021–2022 में अगले पांच सालों के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन को पचास हजार करोड रूपये के परिव्यय प्रस्ताव दिया है। जो निश्चित ही अनुसंधान एवं विकास को आगे ले जाएगा तथा देश को ग्लोबल रिसर्च हब बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

लेकिन विश्वविद्यालय स्तर पर जो शोध किए जाते है उनमें कभी कभी यह देखने में आता है शोध तो चालू है लेकिन किस समस्या को लेकर है वह ठीक से नहीं मालूम।

यह हमें ध्यान रखना होगा कि सिर्फ राष्ट्रवाद भावनाओं के दम पर हम विश्वगुरू नहीं बन सकते। इसके लिए हमें सार्थक शोध करना हीं होगा। मेहनत करनी ही होगी।

The National Research Foundation (N.R.F.) was established to promote and coordinate research in the country. N.R.F. will ensure that the entire research environment in the country is strengthened in which emphasis can be placed on our national priorities and areas related to basic science. In the current budget 2021-2022, an outlay of fifty thousand crores has been proposed to the National Research Foundation for the next five years. Which will definitely take research and development forward and inspire the country to become a global research hub. But in the research done at the university level, sometimes it is seen that the research is ongoing but what problem it is about, it is not known properly. It is for us to keep in mind that we cannot become world masters only on the basis of nationalism sentiments. For this, we have to do meaningful research. Will have to work hard.

**मुख्य शब्द :** भारत में शोध, अनुसंधान, गवेषणा, खोज, अन्वेषण, मीमांसा।
Research, Research, Research, Discovery, Exploration, Epistemology in India.

**प्रस्तावना**

किसी भी देश के सतत विकास में वहॉ का शोध उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जितना कि प्राकृतिक एवं अन्य संसाधन। इसमें कोई दो राय नहीं है कि किसी भी राष्ट्र के सतत विकास में चाहे वह प्राकृतिक संसाधन हो, मानवीय संसाधन हो या अन्य संसाधन उनका समुचित प्रयोग एवं प्रबंधन आवश्यक है। शोध जहां सतत् विकास हेतु नवीन योजनाओं, विभिन्न किया विधियों का तथा विभिन्न प्रकार के नवाचारों का एक आधार होता है। वहीं हमें चल रही योजनाओं का अध्ययन एवं मूल्यांकन करके बहुमूल्य सुझाव भी प्रस्तुत करता है।

भारत में विश्वविद्यालयीन शोध का आरम्भ भले ही 20वीं शताब्दी में हुआ हो। किन्तु शोध की परम्परा प्राचीन युग से ही रही है।

जैसा कि हम जानते है कि भारत की संस्कृति विश्व की प्राचीनतम संस्कृति है यह विभिन्न शोधो द्वारा स्पष्ट किया जा चुका है।

जैसे सारी दुनिया में कहॉ जाता है पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है और अपने अक्ष पर भी घुमती है। यह सबसे पहले किसने बताया तो सब कहेगें कॉपर निकस ने बताया। कॉपर निकस दुनिया मे कब आया 400–450 वर्ष पहले। लेकिन कॉपर निकस के जन्म के ठीक 1 हजार वर्ष पूर्व भारतीय महर्षियों ने यह पूरी बात बता दी थी कि पृथ्वी सूर्य के चारों तरफ भी घुमती है और अक्ष पर भी घुमती है।

**अध्ययन का उद्देश्य**

प्रस्तुत शोधपत्र में वर्तमान परिपेक्ष्य में शोध की आवश्यकता का अध्ययन किया गया है।

**विषय विस्तार**

हमारे यहॉ ऐसे महान ऋषि मूनि, महर्षि हुए है जिन्होने दुनिया में हजारों वर्ष पूर्व कई गणनाऍ की थी। वे गणनाऍ सारी दुनिया में सत्य सिद्ध हुई। यह सब किसके द्वारा हुआ शोध के द्वारा।

हमारे महान शोधाचार्य शंकराचार्य ने आज से चौदह सौ वर्ष पहले समय के बारें में शोध किया था उन्होनें बताया कि एक होरा (लग्न का आधा भाग) (यह कालगणना के मानक है) एक घण्टें के बराबर है। इसी होरा से अंग्रेजी में हॉवर बना। इसी तरह एक दिन में 24 होरा हुये।

उन्होनें यह भी बताया कि सृष्टि का प्रारंभ चेत्र शुक्ल 1 रविवार के दिन हुआ। इस दिन पहले होरा का स्वामी सूर्य था। उसके बाद के दिन प्रथम होरा का स्वामी चन्द्रमा था इसलिए रविवार के बाद सोमवार आया। इसी तरह सातों वारों के नाम सात ग्रहों पर पड़े। जिसकी नकल या यू कहे की कॉपी यूरोप ने की और उसे Sunday-Monday बनाया। उन्होनें सिर्फ भाषा के रूप में अन्तर लाया बाकी सब वहीं है। सारा के सारा।

सामान्यता शोध के माध्यम से हम किसी तथ्य या घटना के बारे में तीन प्रकार की जानकारी हासिल करते है : क्या, क्यों और कैसे :

पी.एम. कुक ने Research शब्द को इस प्रकार Define किया है

**R** – Rational way of thinking
**E** – Expert and Exhaustive Treatment
**S** – Search for Solution
**E** – Exactness
**A** – Analysis
**R** – Relationship of Facts
**C**–Critical Observation, Careful recording, Constructive attitude and condensed generalization
H – Honesty and Hardworking

अर्थात कहने का तात्पर्य यह है कि प्राचीन समय से ही हम शोध के क्षेत्र में आगें रहे है। लेकिन अब पीरामीड कुछ उल्टा सा हो गया है। इतनी बडी आबादी इतना टेलेन्ट इतनी बडी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत अब भी शोध के मामले में पीछड़ता जा रहा है। इसकी वजह एक है जो हमें समझ में आ रही है वह है Research and Development पर सबसे कम खर्च करना, उसमें कमजोर होना। Organisation for Economic Cooperation and Development के मुताबिक भारत में शोध कार्यो पर GDP का 0.82% हिस्सा ही खर्च किया जाता है। लेकिन जानकारों का मानना है इसे कम से कम 2% होना चाहिए। शोध के मामले में हम सबसे अच्छा उदाहरण इजराइल का दे सकते है जो अपनी GDP का 4.21% हिस्सा खर्च करता है। फिर भी दूसरे विकसित देशों से बहुत कम है।

शोध कार्यों में भारत 22वें नम्बर पर है। ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स के अनुसार भारत शिक्षा के स्तर के मामले में 118 वें नम्बर पर है।

हमें यह कहना होगा कि भारत में शिक्षा के संसाधन अर्थात Quantity of Education तो बहुत बढ़ गए है। लेकिन Quality of Education शिक्षा की गुणवत्ता में कोई ज्यादा सुधार नहीं है।

भारत में अभी भी शोध एवं अनुसंधान के महत्व को कोई नहीं समझता। भारत में System की सोच यह हो गयी है कि उसे पके पकाए शोध एवं अनुसंधान मिल जाए तो बहुत अच्छा रहेगा। इसलिए मानसिकता यह हो गई है कि खूब पसीना बहाना न पड़े और ज्यादा खर्चा भी न करना पड़े।

यह हमें ध्यान रखना होगा कि सिर्फ राष्ट्रवाद भावनाओं के दम पर हम विश्वगुरू नहीं बन सकते। इसके लिए हमें सार्थक शोध करना हीं होगा। मेहनत करनी ही होगी।

हकीकत यह है कि भारत में किए जाने वाले शोध जमीनी स्तर पर कार्य करने लायक नहीं होते है। 95% रिसर्च सिर्फ Academic Journals में ही छपने लायक होते है।

लेकिन यह भी सच है कि हम अपने शोधार्थियों को इतनी सुविधाएं मुहैया नहीं करा पा रहे है जितनी कि विदेशी शोधार्थी शोध के दौरान और शोध के बाद प्राप्त करते है। इसलिए भारत के अच्छे विद्वान शिक्षा शास्त्री देश छोड़कर विदेशों में बस जाते है और नए नए शोध भारत की बजाय दूसरे देशों के लिए करते है। जो कि दुःख का विषय है। चुंकि मे अर्थशास्त्र का विद्यार्थी हुॅ इसलिए अर्थशास्त्र की ही बात करूगां चाहे आप नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को ले लिजिए या फिर अभिजीत बनर्जी को हीं ले लिजिए जिन्हें 2019 का अर्थशास्त्र का नोबेल दिया गया है। वे मुंबई में जन्में और जेएनयू से एम.ए. करने के बाद अमेरिका में चले गए। वे वर्तमान में अमेरिका एमआईटी में अर्थशास्त्र पढ़ाते है।

एक बात और है कि हमारे यहॉ वर्तमान में शोध कार्य दो स्तरों पर हो रहा है एक विश्वविद्यालय स्तर पर और दूसरा सरकार एवं निजी संस्थाऍ शोध एवं विकास गतिविधियों को अपने उददेश्यों की पूर्ति के लिए प्रायोजित करती है।

अभी वर्तमान में सभी ओर कोरोना वायरस का कहर है जिसने सभी संसार के लोगों को पंगू बना दिया है और सभी लोग उसकी मेडिसीन/वेक्सिन के लिए लगातार शोध कर रहे है। लेकिन नंबवर 2019 तक तो इसकों कोई जानता तक नहीं था। तो मेडिसीन/वेक्सिन की तो बात ही अलग है। अर्थात जब भी हम कोई Research करते है तो सबसे महत्वपूर्ण है कोई समस्या का होना जब तक हमारे पास कोई समस्या नहीं होती है तब तक कोई भी व्यक्ति उस एरिया में या उस क्षेत्र में या उस Aspect पर काम नहीं करता है।

हम जानते है Research का अर्थ है Re+Search इसका मतलब है जो भी आपने पहले किया हुआ है उसको दुबारा करना है। अरे भाई यदि बुखार की दवाई पहले से ही मार्केट में आ चुकी थी तो और भी बुखार की दवाइया क्यो आई इसका कारण यह हो सकता है कि जो बुखार की दवाई निकाली गई थी वह किसी Particular Age Group पर ही Effect कर रही है बाकी

पर नहीं। इसलिए उन्होने और रिसर्च किए और उसके और साल्यूशन निकाले अर्थात् हम रिसर्च इसलिए भी करते है कि हमें जो पहले Solution मिला है उससे हम Satisfied नहीं है।

लेखक शोध की तकनीकि पहलुओं पर न जाते हुए इतना कहना चाहता है कि कभी कभार शोध के शीर्षक अथवा Title भी बहुत गलत नजर आते है। और कई बार देखा गया है Title are technically incorrect but degree has been awarded ध्यान रहे Title एक Statement होता है न कि Sentence इसलिए इस ओर हमें अच्छे से ध्यान देना चाहिए।

**निष्कर्ष**

अंत में लेखक यही कहना चाहेगा कि भारतीय वैज्ञानिकों शोधार्थियों ने इस जगत को बहुत महत्वपूर्ण अनुसंधानों से परिचित कराया है चाहे वह शून्य की खोज रही हो या चंद्रमा पर पानी की। प्राचीनकाल से लेकर वर्तमान समय तक भारत ने कुछ विशेष अद्वितीय खोज किया है।

भारत सरकार गुणवत्तापूर्ण शोध को बढावा देने हेतु विभिन्न योजनाऐं PMRF, UGC NET, JRF, RINF, NF etc. चला रही है। इन योजनाओं से लाभान्वित होकर शोधार्थीगण उच्च कोटि के शोध प्रस्तुत कर रहे है। शोध की गुणवत्ता को ओर भी बढाया जा सकता है। बस हमें Quantity of Education की बजाय Quality of Education पर ध्यान देना होगा।

अब नई शिक्षा नीति में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सकल नामांकन अनुपात को 2035 तक 50 फीसदी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए लगभग तीन सौ अनुसंधान विश्वविद्यालय, दो हजार शिक्षण व अनुसंधान विश्वविद्यालय स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। देश में शोध को बढावा देने और इसमें समन्वय के लिए एक राष्ट्रीय शोध फांउडेशन (एन आर एफ) स्थापित किया जाएगा। एन आर एफ यह सुनिश्चित करेगा कि देश में शोध का सम्पूर्ण माहौल मजबूत हो जिसमें हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और मूलभूत विज्ञान से संबंधित क्षेत्रों पर जोर दिया जा सके।

**सन्दर्भ ग्रन्थ सूची**

1. *Ania, Gruszczynska (2016), 10-Commonchallenges-faced-by-early-career-researchers.Retried 29 July, 2019 from: https://www.wiley.com/network/researchers/writing-and-conducting-research/10- common-challenges-faced-by-early-careerresearchers*
2. *Kirsi Pyhältö, Auli Toom, Jenni Stubb, and Kirsti Lonka (2012), "Challenges of Becoming a Scholar: A Study of Doctoral Students' Problems and Well-Being," International Scholarly Research Network ISRN Education Volume 2012, Article ID 934941, 12 pages doi:10.5402/2012/934941, Retried 27 July, 2019 from : https://www.hindawi.com/journals/isrn/2012/934941/*
3. *INOMICS Team (2019), 10 Biggest Struggles of PhD Students. Retried 25, July, 2019 from: https://inomics.com/insight/10-biggeststruggles-of-phd-students-610514*
4. *http://aishe.nic.in/aishe/reports*
5. *https://www.isro.gov.in/chandrayaan-2home0*
6. *https://www.ugc.ac.in*